संपादक के नोट

मैं आप सब को अपने प्रभु और उद्धारकर्ता येशु मसीह के अतुल्य नाम से अभिवादन करती हूँ। वह एक वादा रखनेवाला परमेश्वर है, कल, आज और हमेशा न बदलने वाला। **दानिय्येल ६रू१६ – तब राजा की आज्ञा से दानिय्येल लाया गया और सिंहों की मांद में डाल दिया गया। राजा ने दानिय्येल से कहा, ष्तेरा परमेश्वर जिसकी तू सदा उपासना करता है, वही तुझे छुड़ाएगा।** अगर तुम सच में जीवित परमेश्वर की आराधना कर रहे हैं, वह तुम्हें तुम्हारे सब समस्याओं और दुश्मनों से छुड़ाएगा। वह ना ही तुम्हें छुड़ाएगा, लेकिन वह तुम्हे ऊँचा भी उठाएगा। डरों नहीं, भले ही दुश्मन की एक सेना आप के खिलाफ आ जाए। दानिय्थेल का अर्थ ष्परमेश्वर मेरा न्यायाधीश है।ष् परमेश्वर दानिय्थेल के साथ था जब उसे यरूशलेम से बेबीलोन को एक बंदी के रूप में लाया गया था। दानिय्थेल को भी परमेश्वर के लिए एक बहुत बड़ा उत्साह था। दानिय्थेल ने उसके दिल में निर्धारित किया था कि वह राजा की मेज का कुछ भी खाना नहीं खाएगा। इस वजह से, परमेश्वर ने दानिय्थेल को बेबीलोन के बुद्धिमान पुरुषों की तुलना में दस गुना अधिक ज्ञान दे दी।अब बेबीलोन के राज्यपालों दानिय्थेल को अपमानित करने के लिए कुछ तरिका साधा। इसलिए वे राजा के पास गए और उसे बताया कि दानिय्थेल एक दिन उसके परमेश्वर की तीन बार दंडवट करता है। इस प्रकार राजा के आदेश को तोड़ा। अंत में उन्हें दानिय्थेल को शेर की मांद में डालने की अनुमति प्राप्त हो गई। उस समय राजा ने दानिय्थेल से कहा, ष्तेरा परमेश्वर जिसकी तू सदा उपासना करता है, तुम्हें छुड़ाएगा। इसलिए यदि आप एक विजयी जीवन जीना चाहते हैं, अपने आप को पूरी तरह से जीवित परमेश्वर की आराधना और स्तुति के लिए दे दो। निरंतर प्रार्थना करो, प्रत्येक परिस्थिति में धन्यवाद दो, क्योंकि मसीह येशु में तुम्हारे लिए परमेश्वर की यही इच्छा है।

अब जब उन दिनों में कलीसिया बढ़ रही थी, यूनानियों ने इब्रियों के खिलाफ एक शिकायत उठाई कि उनकी विधवाओं को प्रतिदिन के बंटाई में अवज्ञा किया जा रहा था। जब तुम उत्साह के साथ प्रार्थना करने का निर्णय करते है, शत्रु बिना किसी कारण के कई बाधाए लाएगा। इसलिए प्रेरितों ने प्रेरितों के **काम ६रू२–४** में कहा – **बारहों ने चेलों की मण्डली को बुलाकर कहा, ष्हमारे लिए यह ठीक नहीं कि हम परमेश्वर के वचन को छोड़कर खिलाने–पिलाने की सेवा करें। इसलिए, हे भाइयो, अपने में से सात सच्चरित्र**

पुरूषों को चुन लो जो पवित्र आत्मा और बुद्धि से परिपूर्ण हों कि हम इस कार्य का संचालन उनके हाथों में सौंप दें। परन्तु हम तो स्वयं प्रार्थना और वचन की सेवा में लगे रहेंगे।[६] दुश्मन प्रार्थना के लिए जो बाधाए लाता है उसके बारे में सोचकर अपनी शांति खोया मत करो। तुम्हारी प्रार्थना निरन्तर जारी रहनी चाहिए। प्रेरित पौलुस **रोमियों १रू९** में रोमियों के लिए लिखता है – **क्योंकि परमेश्वर, जिसकी सेवा मैं अपनी आत्मा में उसके पुत्र के सुसमाचार में करता हूँ, मेरी साक्षी है कि मैं तुम्हें किस प्रकार निरन्तर स्मरण करता हूँ।** वह कुलुस्सियों को भी **कुलुस्सियों १रू९–१०** में लिखता है – **इसी कारण, जिस दिन से हमने इसके विषय में सुना है, तुम्हारे लिए प्रार्थना और यह विनती करना नहीं छोड़ा कि तुम समस्त आतमिक ज्ञान और समझ सहित परमेश्वर की इच्छा की पहिचान में परिपूर्ण हो जाओ, जिस से तुम्हारा चाल–चलन प्रभु के योग्य हो जाए, और सब प्रकार से उसे प्रसन्न कर सको तथा सब भले कामों से फलवन्त होकर परमेश्वर के ज्ञान में बढ़ते जाओ।** वह व्यक्तिगत रूप से तीमुथियुस को लिखता है **२ तीमुथियुस १रू३–४** में – **मैं अपनी प्रार्थनाओं में रात–दिन निरंतर तुझे स्मरण करते हुए परमेश्वर को धन्यवाद देता हूं, जिसकी सेवा मैं अपने पूर्वजों की रीति पर शूद्ध विवेक से करता हूं। तेरे आंसुओं का स्मरण कर–कर के मेरी तीव्र इच्छा होती है कि तुझ से भेंट करू और आनन्द से भर जाऊं।** लगातार प्रार्थना करो कि आपकी प्रार्थना में कोई बाधा न हो। **लैव्यव्यवस्था ६रू१३ – वेदी पर आग निरंतर जलती रहे, वह कभी बुझने न पाए।**

नए करार में आप परमेश्वर की वेदी हैं। **रोमियों १२रू१ – अतः हे भाईयों, मैं परमेश्वर की दया का स्मरण दिलाकर तुमसे आग्रह करता हूँ कि तुम अपने शरीरों को जीवित, पवित्र और ग्रहणयोग्य बलिदान कर के परमेश्वर को समर्पित कर दो। यही तुम्हारी आतमिक आराधना है।**

अपने टूटे आत्मा और अपने टूटे और खेदित दिल को कलवारी के क्रूस पर समर्पण कर दो, ताकि एलिय्याह का परमेश्वर तुम पर आग के रूप में उसकी आत्मा को डालेगा।

प्रेरितों के काम २रू३ – और उन्हें आग के समान जीभें विभाजित होती हुई दिखाई दीं, और उनमें से प्रत्येक पर आ ठहरीं। तुम्हारे दीपक हमेशा जलती रहना चाहिए। मूर्ख कुंवारियों ने उनके साथ पर्याप्त तेल नहीं ले गए, तो उनके दिपक बुझ गए, जब की बुद्धिमानों के दीपक जलते रहें। **नीतिवचन**

३१रू१८ – वह भांप लेती है कि उसकी कमाई अच्छी है। रात में उसका दीपक बुता नहीं।

९) अगर तुम्हारे दीपक जल रहे है तो तुम कई अन्य दीपकों को प्रकाश कर सकते हैं। स्वर्गीय आग तुम पर शक्तिशाली तरह से आए इसकी प्रार्थना करो।

२) ऐसा हो कि जो आग तुम पर आता है, आप के भीतर लगातार जलता रहे।

३) आप में प्रकाश को नष्ट करने के लिए आने वाले दुश्मन का विरोध करो।

४) आग को जलाए रखने के लिए प्रार्थना के तेल को उंडेलों और आराधना करें।

हम प्रार्थना करते हैं कि परमेश्वर की इच्छा जैसे स्वर्ग में है वैसे ही पृथ्वी पर भी होनी चाहिए। स्वर्ग में क्या हो रहा है? **प्रकाशितवाक्य ४रू८ – इन चारों प्राणियों में से प्रत्येक के छः छः पंख थे। उनके चारों ओर तथा भीतर आंखें ही आंखें थी। वे दिन–रात यह कहते नहीं थकतेः ष्पवित्र, पवित्र, पवित्र, प्रभु परमेश्वर सर्वशक्तिमान है, जो था, और जो है, और जो आने वाला है।ष** अगर आप प्रभु के मंदिर हैं, तुम्हारे हृदय में प्रशंसा और परमेश्वर की आराधना जारी रहे। प्रार्थना आग्रहपूर्वक जारी रखें, सतर्क रहकर धन्यवाद के साथ।

मैं खुश हूँ मेरे प्रिय भाइयों और बहनों, इस पत्रिका के पाठकों और रोस ऑफ़ शेरोन चर्च के मेरे परिवार को सूचित करते हैं कि रोस ऑफ़ शेरोन चर्च का टीवी कार्यक्रम शुरू किया जाएगा 1 अक्टूबर से, हर गुरुवार शाम ६.३० बजे से ७.०० बजे तक टामिलन टीवी पर। इस कार्यक्रम को देखें और आशिषित हो। मेरे और मेरे परिवार के लिए प्रार्थना करते रहिए। हम अगले महीने के समाचार पत्र में फिर से मिलने तक परमेश्वर तुम सब को आशीष दे। मैं आप सभी और आपके परिवारों को एक बहुत ही फलदायक हार्वेस्ट की बधाई देती हूँ।

पास्टर सरोजा म.

मेरी ओर देखो और तुम बच जाओगे

प्रभु की स्तुति हो! प्रभु ऊपर दिए गए वचन केवल चुने हुए लोगों के लिए नहीं कह रहा है लेकिन यह बुलाहट पृथ्वी के चेहरे पर सभी लोगों के लिए है। प्रत्येक व्यक्ति को प्रभु की ओर देखने के लिए और उसका उद्धार, उसका प्यार, खुशी और शांति स्वीकार करने के लिए आमंत्रित किया गया है। तो हम देखते हैं कि अगर हमें यह अनुग्रह, यह उद्धार और यह आनन्द की जरूरत है, यह आवश्यक है की हमें प्रभु की ओर देखना हैं। हालांकि, हमारे पास इस दुनिया का सभी खज़ाना और धन हो सकता है, यह बहुत जरूरी है कि उद्धार के माध्यम से हमारे जीवन में परमेश्वर का अनुग्रह होना चाहिए। प्रभु कहता है अगर हम उसकी ओर देखते है, तो हम निश्चित रूप से यह उद्धार पाएंगे।

हमें प्रभु के बारे में पता होना चाहिए और हम केवल उसके पवित्र आत्मा के माध्यम से उसे पता कर सकते हैं। प्रभु येशु मसीह एक आदमी के रूप में इस दुनिया में आया। उसे क्रूस की मृत्यु का सामना करना पड़ा और उसके बाद वह तीसरे दिन फिर जी उठा। वह मृतकों में से जी उठने के बाद, उसने अपने चेलों से मुलाकात की और उन्हें अपने घावों को दिखाया और समझाया कि कैसे उन्हें और पूरी दुनिया के लिए उसे क्रूस की पीड़ा का सामना करना पड़ा। उसे उनके पापों के लिए, उनके दुरूख के लिए, उनकी गलतियों के लिए और सभी को अपने जीवन में अशुद्धता के लिए उसे इस दर्द का सामना करना पड़ा, कि उसके बलिदान के माध्यम से सभी उद्धार प्राप्त कर सके। और ये सब बातें कहने के बाद, उसने क्या किया? उसने उन पर परमेश्वर की पवित्र आत्मा को फूँका। और परमेश्वर के आत्मा से भरने के बाद उनका जीवन प्रभु येषु मसीह के जीवन की तरह बदलने लगा। बाद में वें भी वही काम कर सके और प्रभु येशु मसीह इस धरती पर क्या काम किया उसकी तुलना में अधिक से अधिक काम किया। हम इसके बारे में पढ़ सकते है **यूहन्ना २०रू१९–२३ में – उसी दिन, जो सप्ताह का पहिला दिन था, संध्या के समय जब वहां के द्वार जहां चेले थे, यहूदियों के डर के मारे बन्द थे, तब येशु आकर उनके मध्य खड़ा हो गया और उसने उनसे कहा, ष्तुम्हें शांति मिले।ष जब वह यह कह चुका तो उसने अपने हाथ और पंजर दोनो दिखाए। तब चेले प्रभु को देख कर आनंदित हुए। येशु ने फिर उनसे कहा, ष्तुम्हें शांति मिले, जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ।ष और जब वह यह कह चुका तो उसने उन पर फूँका और उनसे कहा, ष्पवित्र आत्मा लो। यदि तुम किसी के पाप क्षमा करो, तो वे उनके लिए क्षमा किए गए हैं। यदि तुम किसी के पाप रखो तो वे रखे गए हैं।ष** हमारा

प्रभु कैसा अद्‌भुत है देखो वह मरा और तीसरे दिन फिर जी उठा और वह अपने शिष्यों को खोजते हुए आया और उसने क्या किया? उसने अपने शरीर के घाव को उन्हें दिखाया। इसी तरह वह अपना शरीर पूरी दुनिया को दिखा रहा है ताकि जो लोग उसके शरीर को देखेंगे उन्हें उद्धार प्राप्त होगा। और उसने उन्हें अपनी पवित्र आत्मा से भर दिया ताकि जो काम उसने इस धरती पर किया वें भी जो उस पर विश्वास करते है वैसा ही करें। इस प्रकार, जब हम में पवित्र आत्मा होता है, हम परमेश्वर के सब कार्य कर सकते है। हर रोज हमें कहना है, मेरी बत्ती में तेल दे, हे प्रभु, तब परमेश्वर के न केवल आश्चर्य काम को देखा जाएगा लेकिन यह भी के परमेश्वर का प्रेम, खुशी और शांति हमारे जीवन में प्रकट हो जाएगा।

प्रभु येशु के मृत्यु के बाद, उसके चेले घबरा गए थे और एक कमरे में छिपें हुए थे। वें सोच रहे थे कि उन्होंने कैसे एक आदमी पर विश्वास किया जिसने कई अद्‌भुत काम किए और आज वह मर चुका है। वें अब क्या करेंगे? वे डरे हुए थे कि यहूदीयों, जिन्होंने उनके स्वामी को मार डाला था, जल्द उन्हें भी पकडकर मार डालेंगे। वें एक कमरे में छिपें हुए थे। पर क्या प्रभु उन्हें भूल गया? नहीं, वह उन्हें ढूंढ़ता हुए आ गया। इसलिए, आज वही प्यार करने वाला प्रभु दुनिया के लोगों से कह रहा है बचने के लिए उसकी ओर देखें। वह दुनिया के सभी लोगों को यह निमंत्रण दे रहा है। उसके सिवाय कोई और परमेश्वर नहीं है। हम उसके बच्चे हैं और वह हमारा परमेश्वर है। कोई अन्य परमेश्वर है ही नहीं प्रभु येषु के सिवाय जो हमें उद्धार, आशीष और शांति दे सकता हैं। निश्चित रूप से कोई दूसरा नाम नहीं है लेकिन प्रभु येशु का नाम जिसने सारे संसार के लिए अपनी जान दी। प्रभु कि स्तुति हो!

अब, प्रभु जो उसकी ओर देखते हैं केवल उन्हें उद्धार नहीं देगा लेकिन यह भी की वह उन्हें लज्जित कभी नहीं होने देगा। हम पढ़ें **भजन संहिता ३४रू५ – जिन्होंने उसकी ओर देखा उन्होंने ज्योति पाई, और उनका मुंह कभी काला न होगा।**

हाल्लेलुयाह! हर कोई जो उसकी ओर देंखते है उनका चहरा प्रकाशमय होकर चमकेगा। उन्हें शर्म का अनुभव कभी नहीं होगा। उनका चेहरा हमेशा उनके दिल में जो शांति है उसे दर्शाता रहेगा। एक कहावत है, ष्चेहरा दिल का आईना हैष। जिन लोगों के दिल में उदासी है, यह उदासी उनके चेहरे पर परिलक्षित होती है। अगर उनके दिल में खुशी है, चेहरा उस खुशी को प्रतिबिंबित करेगा। तो यह स्पष्ट रूप से वचन में लिखा है, कि जो लोग प्रभु की ओर देखेंगे उनका दिल हमेशा शांति से भर जाएगा और यह शांति एक

उजाले के रूप में उनके चेहरे पर परिलक्षित होगी। यह भी कहता हैं कि उनके चेहरे पर कभी शर्म नहीं होगा।

जब हम प्रभु को देखेंगे, तो दुनिया हमारे विरुद्ध बहुत सी बातें कह सकते हैं। प्रभु येषु खुद ही ने विपक्ष का इतना अनुभव किया जब वह पिता की इच्छा पूरी करने के लिए इस दुनिया में आया। उन्होंने उसके बारे में इतना अधिक बुरी बात की। उन्होंने कई बार उसपर झूठा आरोप लगाया। लेकिन क्या प्रभु उदास होकर नीचे बैठ गए? क्या वह नीचे बैठ गया और रोना शूरू किया? नहीं, वह पिता की इच्छा को पूरा करने के लिए उत्सुक था। उसने **यूहन्ना २०रू२१** में क्या कहा ? – **येशु ने फिर उनसे कहा, ष्तुम्हें शांति मिले, जैसे पिता ने मुझे भेजा है, वैसे ही मैं भी तुम्हें भेजता हूँ।ष** इस प्रकार जिस विपक्ष का सामना येशु को करना पड़ा उन्हें भी यह भुगतना होगा और हमें भी आज भुगतना होगा। जब वह हमें भेजता है, यह न केवल खुशी के लिए है लेकिन हम बहुत विपक्ष से गुजरना पड़ सकता है। वह हमें क्रूस उठाने के लिए बुलाता है।

राजाओं का राजा, येशु मसीह ने ऊपरी महिमा को छोड़ दिया और इस दुनिया में आया और कई शक्तिशाली काम किए। लेकिन अंत में, वह एक चोर की तरह एक क्रूस पर मर गया। क्यो?, ताकि हम भी एक मन के साथ तैयार हो सके उसके लिए पीड़ित होने के लिए इसलिए उसने हम से कहा है कि प्रतिदिन अपना क्रूस उठाकर मेरे पीछे चलों। जैसे पिता ने येशु को क्रूस उठाने के लिए भेजा उसी तरह, क्रूस उठाने के लिए येशु हमें भेज रहा है। पिता और येशु कभी अलग नहीं थे। वे हमेशा एक साथ थे। अपने सब कामों को वह केवल प्रार्थना और अपने पिता से परामर्श करने के बाद करता था। दिन में वह प्रचार और लोगों को चंगा करता था और उसके बाद वह अलग हो जाता और अपने पिता के साथ समय बिताता था और आगे उसे क्या करना चाहिए, उसे क्या बोलना चाहिए आदि, उससे पूछता। सब कुछ के लिए, वह अपने पिता से पूछता. वचन कहता है अगर दो जन एक मन के नहीं है, वें एक साथ चल नहीं सकते। पढ़े **आमोस ३रू३ – यदि दो व्यक्ति आपस में सहमत न हों तो क्या वे साथ साथ चल सकते है?** इस प्रकार जैसे येशु मसीह और उसके पिता हमेशा एक थे, हमें भी हमारे प्रभु येशु मसीह की आत्मा के साथ एक होना चाहिए। यदि नहीं, तो हम उसके नाम में आश्चर्य काम नहीं कर सकते हैं। क्या प्रभु के चेले पवित्र आत्मा की शक्ति के बिना एक लंगड़े आदमी को चंगा करने में सक्षम हो सकते थे? नहीं बिलकुल नहीं! इसलिए परमेश्वर के आत्मा के साथ एकता में होना बहुत

महत्वपूर्ण है। हमें अपने सोच और विचारों को एक तरफ रखना चाहिए और पवित्र आत्मा क्या कह रहा है उसपर ध्यान देना चाहिए। तब हमारे विचार और प्रभु के विचार एक बन जाएंगे। हम वचन में फिर से पढ़ें **भजन संहिता ३४रू५ – जिन्होंने उसकी ओर देखा उन्होंने ज्योति पाई, और उनका मुंह कभी काला न होगा।** तो हम देखते हैं की अगर हम प्रभु को देखे बिना आगे जाते है, हमारे चेहरे को शर्मिंदा किया जाएगा और प्रकाश हमारे चेहरे से निकल जाएगा और अन्धेरा छा जाएगा। मुख्य वचन के अनुसार, यह वचन हम सब के लिए है । लेकिन अगर हम प्रतिदिन प्रभु को देखते है, मार्गदर्शन के लिए उसके चेहरे को खोजते है, तब हमारे चेहरे को प्रकाशित किया जाएगा।

मेरे स्कूल के शिक्षक ने एक बार हमें एक कहानी सुनाई। हमारे गांव में एक नौकरानी के रूप में काम करने वाली एक बहुत बुजुर्ग महिला थी। जब भी वह बर्तन धोती, वह कुछ न कुछ बडबड़ाती रहती। इसके अलावा, जब भी वह झाड़ू लगाया करती तब भी, वह उसी तरह से कुछ बकवास करती। सभी पड़ोसियों ने निष्कर्ष निकाला कि वह पागल हो गई थी। एक दिन किसी ने उससे पूछा, ष्प्रिय बूढ़ी औरत तुम बर्तन धोते समय, क्या कहती रहती हो?ष उसने जवाब दिया,ष जब भी मैं बर्तन धोती हूँ, मैं प्रभु से प्रार्थना करती रहती हूँ। हे प्रभु, कृपया करके मेरे दिल को धो डाल और मुझे शुद्ध कर जैसे मैं इन बर्तन को साफ़ करके और उन्हें स्वच्छ बना रही हूँ। जब मैं फर्श को झाड़ू लगाती हूँ, मैं प्रभु से प्रार्थना करती और प्रभु से पूछती हूँ, जैसे मैं फर्श साफ़ कर रही हूँ उसी तरह मुझे भी साफ़ कर।ष यह कहा जाता है कि फर्श साफ़ करते समय इस औरत की मौत हो गई हमेशा की तरह बोलते हुए। यह वास्तव में एक अच्छी बात है प्रभु से प्रार्थना करते हुए हम मरे। और मेरे शिक्षक अक्सर कहती कि वह प्रभु से प्रार्थना करती की प्रभु उसका जीवन भी उसी तरह ले जैसे वह बूढ़ी औरत मरी थी।

हम हर रोज हमारे बर्तन धोते है क्योंकि हम उस में ताजा खाना पका सके। इसी तरह, हमें प्रतिदिन हमारे दिलों को साफ़ करना है इसलिए कि प्रभु हमारी प्रार्थना का जवाब दे सके। जब हम प्रतिदिन प्रभु को देखते है, वही प्रभु निश्चित रूप से हमें महान शांति में रखेगा। हमारा निश्चित रूप से इस दुनिया में एक शांतिपूर्ण मौत होगा। हम पढ़े **मलाकी २रू६ – उसे सच्ची शिक्षा कण्ठस्थ थी, और उसके होठों से कुटिल बात नहीं निकलती थी। वह शांति और खराई से मेरे संग संग चलता रहा, और वह बहुतों को अधर्म से लौटा ले आया।**

जैसे यह वचन कहता है, हमें भी शांति और खराई में चलकर दूसरों के लिए एक गवाह होना चाहिए। जरा सोचो कि कैसे वह बूढ़ी औरत एक नौकर होकर एक गवाही और प्रेरणा बन गई मेरे शिक्षक के लिए जो एक मजबूत विश्वासी था और वह भी पवित्र आत्मा से भरी हुई थी। इस प्रकार जब हम प्रभु को देखते है और हम में यह शांति है, हम भी बहुत से प्राणों के लिए गवाही बन सकते है। हम पढ़ें **प्रकाशितवाक्य ३रू४ – पर सरदिस में तेरे पास कुछ लोग ऐसे हैं जिन्होंने अपने वस्त्र अशुद्ध नहीं किए हैं। वे श्वेत वस्त्र पहिने हुए मेरे साथ चलेंगे–फिरेंगे, क्योंकि वे इस योग्य हैं।** यहाँ हम देखते हैं कि अगर हम प्रभु के साथ कंधे से कंधा मिलाकर चलना चाहते हैं, हम एक पवित्र जीवन जीना चाहिए। हमें पवित्रता में चलना चाहिए। ऐसे कई लोग हैं जिनके साथ परमेश्वर चलेगा। चाहे दुनिया हम पर उंगली उठाए, हमें चलना जारी रखना चाहिए। लूसिफ़ेर सदा प्रभु को हमारी कमज़ोरियों को बताता रहेगा, पर हमें प्रभु के साथ प्रतिदिन चलना चाहिए हमारे मन को प्रतिदिन उसके सामने शुद्ध करते हुए। जब हम प्रतिदिन अपने आप को साफ़ करते हैं, तब प्रभु निश्चित रूप से हमारे साथ चलने के लिए खुश हो जाएगा। जब प्रभु हमारे संग चलता है, तब हमें कुछ कमी नहीं होगी।

नूह परमेश्वर के साथ चला और परमेश्वर ने उसे एक जहाज बनाने के लिए इस्तेमाल किया। फिर अब्राहाम के जीवन को देखो, वह भी परमेश्वर के साथ चला और परमेश्वर ने उसे आशीष दी। दानिय्येल के जीवन को याद रखो। परमेश्वर उनके साथ था क्योंकि ये सभी अच्छे लोग थे। तो हम प्रभु के सामने हमारे जीवन को साफ़ करना चाहिए ताकि वह हमारे साथ चल सके। हमारा दिमाग दोहरा कभी नहीं होना चाहिए। केवल तभी हम परमेश्वर की दृष्टि में एक पवित्र साधन हो सकते है। हम पढ़ें **यशायाह ५९रू२ – परन्तु तुम्हारे अधर्म के कामों ही ने तुम्हें तुम्हारे परमेश्वर से अलग कर दिया है, और तुम्हारे पापों के कारण उसका मुख तुमसे छिप गया है जिस से वह नहीं सुनता।** यह वचन हमें दिखाता है कि यह हमारे पाप है जो हमें प्रभु के साथ चलने और उसके साथ एक होने में हमें बाधा डालती है। तो जो लोग अपने दिलों को शुद्ध रखते है और बुराई को दूर करते है, वें ही हैं जो प्रभु के साथ चलेंगे। ये वें ही हैं जो प्रभु की ओर देख सकते हैं। लेकिन जब हमारे दिल में ये पाप और अधर्म के काम है, हम प्रभु की ओर देख नहीं सकते हैं। ये पाप प्रभु और हमारे बीच में एक पर्दा बन जाते हैं। कोई फर्क नहीं पड़ता कि कितना हम प्रार्थना करते हैं, हम ये पाप के कारण प्रभु की उपस्थिति को नहीं देख सकते हैं। हम अंधकार में जीने लगते हैं। तो हम

देखते हैं कि सबसे बड़ी बात हमें याद रखना है की हर समय हमें हमारे दिल को साफ़ रखना चाहिए। जब हमारा दिल साफ़ है, प्रतिदिन हम हमारे दिल को खोल सकते हैं और प्रार्थना में प्रभु की ओर देख सकते हैं। प्रभु बाहर नहीं देखता, लेकिन दिल को देखता है। हम बाहर से बहुत ही सुन्दर और अच्छे दिखने वाले हो सकते है, हम बाहर से अच्छा मेकअप पहन सकते हैं, लेकिन प्रभु सीधे दिल को देखता है। कैसे वह बूढ़ी औरत बर्तन धोया करती थी, क्या हम प्रतिदिन हमारे दिल को साफ़ करते हैं? कैसे वह बूढ़ी औरत झाड़ू लगाया करती थी, क्या हम प्रतिदिन हमारे दिल को शुद्ध करते हैं? प्रभु वह है जो इसे देखता है। अगर हम अपने दिल को साफ़ नहीं करते हैं, हम प्रभु की ओर नहीं देख सकते हैं। इस प्रकार वचन स्पष्ट रूप से **यशायाह ५९रू१.२** में कहता है – **देखो, यहोवा का हाथ ऐसा छोटा नहीं कि उद्धार न कर सके, न ही उसका कान ऐसा बहरा है कि सुनन सके। परन्तु तुम्हारे अधर्म के कामों ही ने तुम्हें तुम्हारे परमेश्वर से अलग कर दिया है, और तुम्हारे पापों के कारण उसका मुख तुमसे छिप गया है जिस से वह नहीं सुनता।** हमें, प्रभु येशु हमारे लिये मरा इस महत्त्व को कभी हलका नहीं समझना चाहिए और यह की आज हमें उद्धार है और हम चाहते हैं वैसा अपना जीवन जी सकते है। हमें याद रखना चाहिए कि हमें हमारे दिल को साफ़ करना चाहिए और इसे साफ रखना चाहिए ताकि हम प्रभु को देख सके और जो उद्धार वह हमें देता है उसे प्राप्त करें। हमें किसी के खिलाफ हमारे दिल में कड़वाहट या क्रोध को आश्रय कभी नहीं देना चाहिए। मनुष्य को गुस्सा आना यह स्वाभाविक है। इसलिए जब हम प्रार्थना शुरू करते है, हमें खुद को जाँचकर, पापों को मानकर और हमारे दिल को साफ़ करना चाहिए। हमें हमारे आसपास कौन है उसका शर्म नहीं करना चाहिए। हमें उसके साथ एक होने के लिए तत्पर होना चाहिए। इस प्रकार जब हम साफ़ हैं और हम प्रार्थना करते हैं, हम प्रभु की ओर देख सकते हैं और वह हमें बचा लेगा। अगर हम चिंता करेंगे की दूसरे हम पापी होने के नाते हमारे पाप–स्वीकरण को सुन लेंगे, तो पाप बना रहेगा और हमारे हृदय में बढ़ जाएगा।

पढ़ें **भजन संहिता १६रू८ – मैंने यहोवा को निरन्तर अपने सम्मुख रखा है; इसलिए कि वह मेरे दाहिने हाथ रहता है, मैं कभी न डगमगाऊंगा।** दाऊद ने प्रभु को हमेशा उसके आगे रखा है। दूसरे शब्दों में, उसने हमेशा हर चीज़ में प्रभु को पहले रखा है। परमेश्वर उसका प्राथमिकता था। कोई भी उसे हिला नहीं सकता था। यह हो सकता है कि सब लोग उसके खिलाफ़ उठ गए, लेकिन कोई उसे हिला नहीं सका क्योंकि प्रभु उसके

दाहिने हाथ पर था। किसी भी विपरीत परिस्थितियों का सामना करने से पहले वह उसे प्रभु के पास ले जाता था। क्योंकि प्रभु उसके दाहिने हाथ पर था, वह उसकी उपस्थिति हर समय महसूस कर सकता था। इसी तरह, जब हम हमारे पापों को मानकर प्रभु के सामने जाते है और वह हमारे पास हो जाता है, हम उसकी उपस्थिति को समझ सकते हैं। दाऊद कि यही इच्छा थी। जब भी, वह अपने पापों को मानता और प्रार्थना करता वह अपने दाईं ओर में प्रभु को महसूस कर सकता था। दुश्मन का सामना करने के लिए उसके दिल में साहस प्रवेश करता था क्योंकि उसे पूरा भरोसा था कि प्रभु उसकी दाईं ओर पर था।

कई बार मैं भी पूरे विश्वास के साथ प्रभु के नाम में चुनौती देती हूँ। क्यों? क्योंकि प्रभु मेरी दाईं ओर है। यह केवल हमारे जीवन में उसकी उपस्थिति है जो हमें असाधारण साहस देता है। परमेश्वर के बहुत से दास भी इसी तरह के शब्दों से हमें प्रोत्साहित करते हैं। अभी हाल ही में मुझे प्रभु के एक महान सेवक से एक डाक प्राप्त हुआ और यह वादा परमेश्वर के वचन से जो उसने मेरे लिए उद्धृत किया। पढ़ें **यहोशू १रू९ – क्या मैंने तुझे आज्ञा नहीं दी है? हियाव बांध और दृढ़ हो। न डर और न हताश हो, क्योंकि जहां जहां भी तू जाए वहां वहां तेरा प्रभु परमेश्वर तेरे साथ रहेगा।** तुम यह समझने में सक्षम नहीं हो सकते है, लेकिन जब भी प्रभु ऐसे शब्दों के माध्यम से हमारे लिए बोलती है, हम ऐसा महसूस करते हैं कि हम एक और परीक्षण में सफ़ल हो गए है। हम नया और ताजा महसूस कर सकते है कि प्रभु हमारी सराहना करता है की हम परीक्षण में सफ़ल हो गए है। यह विश्वास और संतुष्टि हमें प्रभु येशु मसीह के काम के लिए आगे जाते रहने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस प्रकार हमें महसूस होता है कि प्रभु हमारे साथ है और हम बहुतायत से प्रोत्साहित होते है। हम पढ़ें **भजन संहिता १४५रू१८ – जो उसे पुकारते हैं अर्थात् जो उसको सच्चाई से पुकारते हैं वह उन सबके निकट रहता है।** हम मुख्य वचन में पढ़ते है के प्रभु सभी लोगों को उसकी ओर देखने के लिए बुला रहा है और देखों यहा पर प्रभु उन सभी लोगों के निकट जाएगा जो उसे सच्चाई में पुकारते है। जो लोग विश्वास और पवित्रता से उसे पुकारते है ये वें हैं जो उसे सच्चाई से पुकारते है। प्रभु ऐसे लोगों के पास आ जाएगा। प्रभु उन लोगों के दाईं ओर पर खड़ा होगा जो उसे सच्चाई से पुकारते है। हमारे पास क्या अद्भुत प्रभु है! वह हमेशा हमारे पुकार को सुनने के लिए तैयार है। हम कोई भी हो, या कैसे पीड़ित हमारी स्थिति हो, प्रभु उनका हाथ कभी नहीं छोड़ेगा जो उसपर विश्वास करते है। प्रभु ने ११

वर्ष लिए मुझे आशिषित करके मुझे सेविकाय में ऊँचा उठाने के लिए। ७ वर्ष पहले अगर मैं आगे बढ़ने की कोशिश करती और पहले स्थान पर मेरे प्रभु को नहीं रखती, यह अद्‌भुत काम आज किया नहीं जा सकता। हर चीज़ के लिए एक समय होता है। हम हर रोज बुलाते होंगे, लेकिन वह सच्चाई कि पुकार पर ध्यान देता है। दाऊद ने सच्चाई से परमेश्वर को पुकारा और परमेश्वर उसके दाई ओर आ गया। वह एक प्यारा परमेश्वर और एक दयालु पिता है। तो आप अपने सभी प्रार्थना के जवाब के लिए सच्चाई से उसे पुकारना चाहिए और वह निश्चित रूप से आश्चर्य काम करेगा।

हम पढ़ें **व्यवस्थाविवरण ४रू७ – क्योंकि और कौन ऐसी महान जाति है जिसका ईश्वर उसके पुकारे जाने पर इतना समीप रहता है जितना हमारा परमेश्वर यहोवा।** हाल्लेलुयाह! हमारे परमेश्वर के अलावा अन्य कोई मूर्ति, कोई देवता नहीं है अगर हम उसे पुकारते है और वह हमें जवाब देता है। जब हम उसे पुकारते है, वह हमारे बीच में खड़ा होगा। वह हमारे बीच में आज भी है। प्रभु की स्तुति हो! ऐसे कोई अन्य लोग नहीं है हमारे अलावा जिस से प्रभु इतना करीब है। यह वही येशु है जो मरा और तीसरे दिन जी उठा। वह एक मरा हुआ व्यक्ति नहीं है। आज भी वह अपने पवित्र आत्मा के माध्यम से हमारे बीच में काम करता है। जब एक मरे हुए आदमी कि एक दुष्ट आत्मा किसी को प्रभावित करती है, वह दुष्ट आत्मा उस व्यक्ति के जीवन को नष्ट कर देती है। लेकिन यहाँ हम देंखते है कि येशु फिरसे जिवित हो गया और वह हमें बहुतायत का जीवन देता है। यह उसकी पवित्र आत्मा है। येशु में कोई दोष नहीं था। मसीह में कोई पाप नहीं था। वह प्रभु की वही आत्मा है। इसलिए जब भी हम प्रार्थना करते हैं और उसे पुकारते है, प्रभु हमारे निकट आएगा। विश्व में उसके समान कोई परमेश्वर नहीं है। हमारे लिए यह क्या एक महान सौभाग्य की बात है, हाल्लेलुयाह! हम पढ़ें **निर्गमन ४रू८ – ८और ऐसा होगा कि यदि वे तेरी बात पर विश्वास न करें या पहले चिहन को न मानें तो वे दूसरे चिहन के कारण विश्वास करेंगे।** आज हमें प्रभु पर विश्वास करना चाहिए। प्रभु ने हमारे लिए क्या चिन्ह दिया है? इस्राएल के देश में एक खाली कब्र है। हाल्लेलुयाह! खुला और खाली कब्र से साबित होता है कि प्रभु येषु जीवित है। कोई भी शरीर को चोरी कर सकता हैं, इसलिए उन्होंने कब्र पर मुहर लगाने की कोशिश की। वे जानते थे कि येशु ने कहा था कि वह तीसरे दिन जी उठेगा। उन्होंने कब्र की रक्षा के लिए चौकीदार रखा। लेकिन क्या कोई प्रभु को बाँध सकता हैं? कोई नहीं! यह चिन्ह आज है। खाली कब्र! प्रभु हमारे बीच में आज ज़िंदा है।

इसलिए हमें इस जीवित प्रभु को देखना है और उस पर विश्वास करना चाहिए।

मैंने कलीसिया में इससे पहले पतरस के बारे में विस्तार से बताया था, यहां तक कि पवित्र आत्मा से परिपूर्ण होने के बाद उसने जीवन में गलतीयाँ की। ऐसा ही एक अवसर पर प्रेरित पौलुस ने खुले तौर पर उसे ताड़ना दी। हम यह वचन में पढ़ते है **गलातियों २रू११–१४ – परन्तु जब कैफा अन्ताकिया आया तो मैंने उसके सामने उसका विरोध किया, क्योंकि वह दोषी था। क्योंकि याकूब के यहां से कुछ लोगों के आने से पूर्व, वह गैरयहूदियों के साथ भोजन किया करता था, परन्तु जब वे आए तो ख़तना वालों के दल के भय से वह पीछे हटने और किनारा करने लगा। शेष यहूदियों ने भी इस कपट में उसका साथ दिया, यहां तक कि बरनाबास भी उन लोगों के कपट के कारण बहक गया । परन्तु यह देख कर कि वे लोग सुसमाचार के सत्य के अनुसार आचरण नहीं कर रहे हैं तो सब के सामने मैंने कैफा से कहा, ष्जब तुम यहूदी होकर गैरयहूदियों के सदृश आचरण करते हो और यहूदियों की तरह नहीं, तो गैरयहूदियों को यहूदियों की तरह आचरण करने के लिए क्यों विवश करते हो?ष**

पतरस वह कर रहा था जो उसे नहीं करना चाहिए था। उसका गैर–यहूदियों के सामने एक व्यवहार था और जब यहूदी आते तो वह एक अलग ढंग से काम करता था। पतरस के कारण एक और विश्वासी, बरनबास भी गलती में गिर गया। कुछ ऐसे विश्वासी हैं जो खुद गिर जाते हैं और उनके साथ में दूसरों को भी नीचे लाने के लिए प्रयास करते है। यें वें है जो लोगों को खुश करने से प्यार करते है। पौलुस जो पवित्र आत्मा से भरा गया था खुले तौर से पतरस को ताड़ना देता है। इस प्रकार जब कोई गलती करता है, उन्हें सही करना यह हमारा कर्तव्य है। अगर वे सुधार स्वीकार करते हैं, यह उन्हें नरक में जाने से बचा सकता हैं और राज्य के लिए उन्हें तैयार करता हैं। यह बहुत महत्वपूर्ण है जो लोग परमेश्वर द्वारा चुने जाते है, लोगों को खुश कभी नहीं करना चाहिए। हमने लोगों को खुश करने वाले लोगों के जीवन में क्या हुआ है अपनी आँखों से देखा है।

यही कारण है जब भी मैं परमेश्वर के बच्चों को ताड़ना देती हूँ, मैं परमेश्वर के ड़र से इसे करती हूँ। उन्हें यह पसंद है या यह नहीं पसंद हैं, मुझे प्रभु को हिसाब देना है। प्रभू की स्तूति हो! अगर लोग नाराज हैं और छोड़ देते हैं, तो मुझे कोई चिंता नहीं है। यह प्रभु है जो हम पर देखता है। अगर हम उसके साथ नहीं चलते है, तो हम काम नहीं कर सकते। यह जरूरी है की दोनों एक साथ चले वरना हम असफल हो सकते है। इसलिए मैंने कईयों को

बिना पक्षपात दिखाए ताड़ना दिया है। चाहे वें अमीर और प्रसिद्ध लोग हो या पढ़ें–लिखे या अच्छे दिखने वाले लोग, मुझे कभी डर नहीं होता। मैं एक व्यक्ति हो सकती हूँ जो ज़्यादा पढ़ी नहीं हूँ, लेकिन प्रभु ने अपने पवित्र आत्मा के माध्यम से मुझे सब कुछ सिखाया है। समय–समय पर शब्द प्रभु से मेरे दिल में आते हैं। यही कारण है मैं किसी को भी किसी भी इंसान को ऊंचा करने की अनुमति नहीं दूँगी। मैं किसी भी इनसान को महिमा लेने के लिए अनुमति कभी नहीं दूँगी। तो यह बहुत आवश्यक है कि हम प्रभु के साथ एक साथ चलें।

अगर आप यूहन्ना का १५ अध्याय पढ़ेंगे, आप कई चीजों को सीखेंगे। यह बहुत अच्छा अध्याय है। जब हम प्रभु के साथ एक नहीं हैं तब हम कुछ नहीं कर सकते। हम उसके बिना फल उत्पन्न कर ही नहीं सकते। इस प्रकार हमें प्रभु के साथ साथ चलना चाहिए। हम पढ़ें **यूहन्ना १५रू५ – मैं दाखलता हूँ, तुम डालियाँ हो। जो मुझ में बना रहता है और मैं उसमें, वह बहुत फल फलता है, क्योंकि मुझ से अलग होकर तुम कुछ भी नहीं कर सकते।** प्रभु की स्तुति हो! यह हमें मन में रखना है। जब परमेश्वर हमारे साथ नहीं है, तब हम कुछ नहीं कर सकते। उदाहरण के लिए, मेरी बेटी मेरे साथ नहीं है, तो मैं बहुत कुछ कर सकती हूँ। अगर मेरा बेटा मेरे साथ नहीं है, तो भी मैं कई चीज़े कर सकती हूँ क्योंकि परमेश्वर मेरे साथ है। लेकिन, अगर परमेश्वर मेरे साथ नहीं, तो मैं कुछ भी नहीं कर सकती। तो हम देखते हैं कि हमें प्रभु के साथ एक साथ होना चाहिए। हम इस दुनिया में किसी पर भरोसा नहीं कर सकते। लेकिन हम हमेशा प्रभु पर भरोसा रख सकते है। प्रभु की स्तुति हो! हम एक और वचन पढ़ें **यूहन्ना १५रू७ – यदि तुम मुझ में बने रहो, और मेरे वचन तुम में बने रहें तो जो चाहो माँगो, और वह तुम्हारे लिए हो जाएगा।** कैसे हमें प्रभु में बने रहना चाहिए? यह पवित्र आत्मा और परमेश्वर के वचन के माध्यम से है। आज हम प्रभु के बारे मे जानते नहीं होंगे, वह २००० साल पहले शरीर में जीवित था, आज वह अपने वचन के माध्यम से उसके साथ एक होने के लिए हमें कहता है। हमें उसकी आत्मा में एक होना चाहिए। अगर यह दोनों चीज़ हमारे भीतर हैं, वचन कहता है, जो कुछ हम उस से पूछेंगे वह हमारे लिए यह अनुदान करेगा। तो जब हम अपने जीवन में प्रभु को पहली जगह देते हैं, वह हमारे दाई ओर रहेगा।

और फिर जो भी हम उस से पूछेंगे हमारे लिए वह अनुदान करेगा। यह एक रहस्य है, लेकिन यह बहुत आसान है। हमें आश्चर्य हो सकता है, कि कैसे परमेश्वर के कुछ बच्चों को उनके प्रार्थना का जवाब मिलता है, यह आसान

तरीका है। अगर हम पवित्र आत्मा में वास करते है, और हम परमेश्वर के वचन के अनुसार चलते है, तो प्रभु निश्चित रूप से हमारी तरफ से हो जाएगा। हम जो भी चाहते हैं, हमें प्राप्त होगा।

हम पढ़ें **यूहन्ना १५रू८ – मेरे पिता की महिमा इसी से होती है कि तुम बहुत फल लाओ, तभी तो तुम मेरे चेले हो।** तो जब हम हमारे जीवन में फ़ल उत्पन्न करते है, परमेश्वर हमारा पिता कि महीमा होती है।

पढ़ें **यूहन्ना १५रू१० – यदि तुम मेरी आज्ञाओं का पालन करोगे तो तुम मेरे प्रेम से बने रहोगे, वैसे ही जैसे मैंने अपने पिता की आज्ञाओं का पालन किया है, और उसके प्रेम में बना रहता हूँ।** प्रभु की स्तुति हो। यह एक बहुत ही आसान तरीका है। अगर हमें यह सब चाहिए, हमें उसके पीछे चलना है उसकी आज्ञाओं को मानकर। हम उसके आगे दौड़ नहीं सकते। जब तक वह हमसे न कहें, हम कुछ नहीं कह सकते। हम और कुछ सोच नहीं सकते। वह जो कहता है उस से हम ना ही घटा सकते है न बढ़ा सकते है। जैस येशु मसीह अपने पिता के इच्छा के अनुसार चला, हमें प्रभु येशु के इच्छा के अनुसार चलना है। केवल तभी हम आशिषित व्यक्ति हो सकते है। प्रभु की स्तुति हो! प्रभु हम सब को आशिष दे।